स्वास्थ्य शिक्षा पुस्तकालय - लोगों के लिए

Health Education Library for People

दुनिया का सबसे बड़ा **मुफ्त** स्वास्थ्य पुस्तकालय है.

यह एक आधुनिक पुस्तकालय है जो सभी बीमारियों के बारे में विश्वसनीय जानकारी प्रदान करता है.

अब हमारा लक्ष्य इन क्षेत्रों में है :

1. स्वास्थ्य बीमा कंपनियों को रोग शिक्षा में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करना
2. रोग जानकारी थेरेपी की वकालत करना
3. रोगियों के लिए राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्रों की स्थापना करना
4. वेबसाइट के लिए ,भारतीय भाषाओं में , रोगी के लिए शैक्षिक सामग्री तैयार करना

For more information on this subject:
Ask the Librarian : Free Answers to any Health Questions !!
http://www.healthlibrary.com/information.htm

For More Info: ASK A LIBRARIAN

LET'S HELP ERADICATE IGNORANCE

Health Education Library For People
206,Dr. D.N.Road,
National Insurance Bldg.,
Ground Floor,
Near New Excelsior Cinema,
Mumbai – 400 001.
Tel: 22061101, 22031103, 65952393, 65952394
Email: helplibrary@gmail.com
www.helpforhealth.org

Health Education Library for People

HEALTH EDUCATION LIBRARY FOR PEOPLE

स्वास्थ्य शिक्षा पुस्तकालय - लोगों के लिए

लैप्टोस्पाइरोसिस

LET'S HELP ERADICATE IGNORANCE

लैप्टोस्पाइरोसिस क्या है

इसे विल्स रोग भी कहलाता है । यह लैप्टोस्पाइरा नामक बैक्टिरिया सो होता है जो एक प्रकार का जूनोटिक (पशुओं द्वारा फैलने वाला) बैक्टिरिया है । यह संक्रमित पशु के मूत्र से फैलती है ।

लैप्टोस्पाइरोसिस कैसे होता है?

यह संक्रमित पशु के मूत्र या वीर्य से फैलता है, जो कि प्राय जल के स्रोत में जल में मिल जाता है । इस प्रकार इसका प्रवेश हमारे शरीर में संक्रमित जलपान अथवा तवचा द्वारा होता है । यह इन्फेक्शन उन लोगों में साधारणतया होता है, जो पालतू जानवरों को पालते हैं, फर के कारखानों में काम करते है अथवा जल मल निकास काम करते है अथवा बरसात या बाढ़ की महामारी के बाद होता है । चूहों के मूत्र से फैलता, ऐसा माना जाता है ।

इसमें वैरकुलाइटिस होती है और यह कई लक्षणों को उत्प करके विभि अवयवो जैसे लीवर और प्लीहा को खराब कर देती है ।

लैप्टोस्पाइरोसिस के प्रमुख लक्षण क्या हैं?

* बीमारी की शुरुआत फ्लू, ठंड लगना, अत्यधिक बेचैनी और सिरदर्द से होती है ।
* चमड़ी और आँखों में पीलेपन के साथ पीलिया होता है । पेट का दर्द, अतिसार और वमन भी सामान्य लक्षण होते हैं ।
* चिकित्सा न करने पर मेनिनजाइटिस, हृदयरोग और तीव्र रक्तस्राव भी होता है।
* रोग की अग्रिम अवस्था में उपद्रव होकर गुर्दे और लीवर भी काम करना बंद कर देते हैं ।

इसका निदान कैसे होता है ?

* शरीर में बैक्टिरिया भी पहचान रक्त और मूत्र परीक्षा करते निदान किया जाताहै ।
* रक्त परीक्षा में लीवर के एंजाइम का स्तर बढ़ा होता है । इलेक्टोलाईट गुर्दे के फेलयर को दर्शाते हैं ।

उसकी चिकित्सा कैसे की जाती है?

* चिकित्सा का मुख्य ध्येय का अवयवों की क्षति को रोकना होता है साथ ही सहायात्मक चिकित्सा की जाती है ।
* बैक्टिरिया को समाप्त करने के लिए एंटीबायोटिक दिये जाते हैं । इससे रोग की विशाक्तता कम होती है ।